Saroj
Falguni Silk
VOL-3

Saroj
Falguni Silk
VOL-3

सत्य-सत्यमेवेश्वरी लोके सत्ये धर्मः सदाश्रितः
सत्यमूलानि सर्वाणि सत्यान्नास्ति परं पदम्
तुम सृष्टि पालन और संहार की शक्ति भूता,
सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो
नारायणी! तुम्हें नमस्कार है।
1001
1002
1003
1004
1005
1006
Saroj

1001

1002

1003

1004

1005

1006